भए प्रकट स्वामी हरीदास

तर्ज़ :- ब्रज का लोक रसिया (बधाई)

भए प्रकट स्वामी हरीदास ,श्री ललिता सखी अवतार लियो -2

1 . श्री गंगाधर चित्रा दुलारे -2
स्वामी आसुधीर के शिष्य प्यारे -2
करने को निधिवन वास , श्री ललिता सखी अवतार लियो।
भए प्रकट स्वामी.....

2 . भक्तों के भाग्य जगाने को -2
रास पीने और पिलाने को -2
आये महाभाव रसराज ,श्री ललिता सखी अवतार लियो।
भए प्रकट स्वामी.....

3 . जिस दिन प्रकटी वृषभानु सुता ,
उसी दिन दिखियो हरिदास छटा ,
राधा अष्टमी दिन बड़ो खास , श्री ललिता सखी अवतार लियो।
भए प्रकट स्वामी.....

4 . राजपुर में बधाइयां साज़ बजे ,
वृन्दावन संत समाज सजे ,
छाया मधुप है हर्षोल्लास , श्री ललिता सखी अवतार लियो।
भए प्रकट स्वामी.....।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण **'मधुप'** (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33120/title/bhaye-prakat-swami-haridas

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |